

खबर संक्षेप

कारोकन्या के 72 फीट ऊंचे शिवलिंग मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

बेमेतरा। बेरला नगर मुख्यालय से करीब 4 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बोरिया के आश्रित ग्राम कारोकन्या स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर में सावन के अंतिम सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में दूर-दरारा से पहुंचे शिवभक्तों का तांता लगा रहा। हर-हर महादेव, ओम नमः शिवाय और बोल बम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान शिव का जलामिषक लिया तथा बेलपत्र, दूध और जल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बेरला के स्थानीय कृषक खलाहकार रांश की ओर से श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रसाद एवं महाभंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से शुरू हुआ भंडारा देर शाम तक चलता रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों और बाहर से पहुंचे शिवभक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। संध के सेवा कार्य से आयोजन को विशेष रूप से भव्यता मिली। कारोकन्या का यह शिव मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखता है। करीब 70 से 72 फीट ऊंचा यह मंदिर विशाल शिवलिंग के स्वरूप में निर्मित है। मंदिर के गर्भगृह में जमीन के नीचे मुख्य शिवलिंग विराजमान है। मंदिर परिसर में भगवान शिव के अलावा अन्य देवी-देवताओं के भी मंदिर एवं प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो इसकी धार्मिक महत्ता को बढ़ाते हैं। कारोकन्या शिवमठान में सावन और महाशिवरात्रि के अलावा चैत्र एवं शारदीय नवरात्र के दौरान भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सावन के अंतिम सोमवार को उमड़े जनसैलाब ने एक बार फिर कारोकन्या मंदिर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को रेखांकित किया। यह स्थल बेरला क्षेत्र के साथ-साथ दुर्ग संभाग के प्रमुख आस्था केंद्रों और दर्शनीय धार्मिक स्थलों में अपनी अलग पहचान बना चुका है।

राष्ट्रहित और पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ भिलाई द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी पूर्व सैनिकों ने सहभागिता करते हुए अपनी-अपनी मां के नाम एक-एक पौधा लगाया और उसके संरक्षण व पालन-पोषण को संकल्प लिया। हर एक जवान ने यह प्रण लिया कि वह पूरे वर्ष निरमित रूप से पौधे में पानी देगा, उसकी देखभाल करेगा और उसे एक वृक्ष के रूप में विकसित करने की पूरी जिम्मेदारी निभाएगा। सांसद विजय बघेल निवास के प्रांगण के बाहर पार्क में भी हाईबिड काजू और एक सैलूत का पौधा लगाया गया।

हरिभूमि न्यूज ►► बेमेतरा

31 अक्टूबर तक होगा डिजिटल क्रांप सर्वे, बटाईदार और संस्थागत किसानों का पंजीयन भी अनिवार्य एग्रीटेक पोर्टल से तय होगा धान का रकबा, डिजिटल सर्वे के बिना खरीदी नहीं

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों के लिए इस बार नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है। अब धान खरीदी के लिए किसानों को केवल पुरानी पंजीयन प्रविष्टियों या पटवारी रिकॉर्ड पर निर्भर नहीं रहना होगा, बल्कि डिजिटल क्रांप सर्वे और एग्रीटेक पोर्टल पर अपडेट रिकॉर्ड अनिवार्य होगा। डिजिटल सर्वे में दर्ज रकबे के आधार पर ही किसान समर्थन मूल्य पर धान बेच सकेंगे। सरकार ने इस बार धान खरीदी की प्रक्रिया को अधिक डिजिटल और पारदर्शी बनाने की तैयारी की है। स्पष्ट किया गया है कि डिजिटल क्रांप सर्वे और एग्रीटेक पोर्टल पर सत्यापित रिकॉर्ड के बिना धान की खरीदी नहीं होगी। पिछले वर्ष तकनीकी दिक्कतों और किसानों की शिकायतों के कारण कुछ मामलों में राहत दी गई थी, लेकिन इस बार ऐसी छूट नहीं मिलने की संभावना है।

15 अगस्त से 31 अक्टूबर तक सर्वे

धान खरीदी के लिए डिजिटल क्रांप सर्वे की प्रक्रिया 15 अगस्त से शुरू होकर 31 अक्टूबर तक चलेगी। इसमें खेत का वास्तविक स्थिति, फसल का रकबा और स्थान का डिजिटल सत्यापन किया जाएगा। सर्वे के दौरान खेत की

नई जमीन का रिकॉर्ड भी कराना होगा अपडेट

जिन किसानों ने पिछले वर्ष धान बेचने के लिए पंजीयन नहीं कराया था, उन्हें पहले एग्रीटेक पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा। इसके बाद संबंधित समिति में भूमि, खसरा, बैक खाता और लॉमिनी की जानकारी ऑनलाइन सोसाइटी मॉड्यूल में दर्ज करनी होगी। नई जमीन खरीदने या बंटवारे में भूमि मिलने वाले किसानों को भी भूमि रिकॉर्ड अपडेट कराना होगा। एग्रीटेक पोर्टल पर भूमि और धान के रकबे का सत्यापन पूरा होने के बाद ही



होगा। विभागीय टीम मौके पर पहुंचकर इसकी पुष्टि करेगी। पिछले साल पीटी ऐप से दर्ज जानकारी को मान्यता दी गई थी, लेकिन इस बार यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है।

जीपीएस लोकेशन भी दर्ज होगी। डिजिटल क्रांप सर्वे की निगरानी तीन स्तर पर की जाएगी, जिससे फसल और रकबे की वास्तविक स्थिति की पुष्टि हो सके।

बटाईदारों का भी एग्रीटेक में पंजीयन जरूरी: इस बार बटाईदार, अधिया, रेचा और संस्थागत किसानों के लिए भी एग्रीटेक में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इन्हें एग्रीटेक के ऑथराइजेशन मॉड्यूल के माध्यम से अधिकृत किया जाएगा। इसके लिए खसरा सूची संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराई गई है। अधिकारी मौके पर पहुंचकर खेत का सत्यापन करने के साथ जीपीएस लोकेशन दर्ज

किसानों के लिए जरूरी

- डिजिटल क्रांप सर्वे में दर्ज रकबे का ही धान खरीदा जाएगा।
- धान का मान्य रकबा एग्रीटेक पोर्टल से तय होगा।
- 2025-26 के पंजीकृत किसानों को रिकॉर्ड अपडेट कराना होगा।
- बटाईदार व संस्थागत किसानों का एग्रीटेक पंजीयन अनिवार्य रहेगा।
- नई खरीदी के लिए भूमि और फसल रकबे का डिजिटल सत्यापन जरूरी होगा।
- पंजीयन व संशोधन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है।
- खरीदी केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन जारी रहेगा।

इस बार डिजिटल रिकॉर्ड ही धान खरीदी का आधार होगा। ऐसे में किसानों को समय रहते एग्रीटेक पोर्टल पर अपनी भूमि और रकबे से संबंधित जानकारी अपडेट कराने तथा डिजिटल क्रांप सर्वे में दर्ज जानकारी की जांच कर लेने की जरूरत है।

1 जुलाई से 31 अक्टूबर तक पंजीयन व संशोधन

किसानों को कृषि विभाग के एकीकृत किसान पोर्टल पर अलग से पंजीयन कराने की जरूरत नहीं होगी। पंजीयन और संशोधन का काम खाद्य विभाग की वेबसाइट के ऑनलाइन सोसाइटी मॉड्यूल के माध्यम से किया जाएगा। नए पंजीयन और संशोधन की अवधि 1 जुलाई से 31 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है।

हनुमान जी राममय और भगवान के प्रिय भक्त हैं : अविमुक्तेश्वरानंद

हरिभूमि न्यूज ►► बेमेतरा

ग्राम सलधा में सवा लाख शिवलिंग के ऐतिहासिक मंदिर निर्माण के साथ उत्तराम्नाय ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का चातुर्मास चल रहा है। सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शंकराचार्य के सत्संग एवं प्रवचन का लाभ लिया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम सलधा के समस्त ग्रामवासियों तथा महिला ब्राह्मण समाज कवचों द्वारा पादुका पूजन से हुई। दंडी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती ने सलधा में शिवलिंग स्थापना करने वाले भक्तों के नामों की घोषणा की। अप्रमेय स्वामी ने विरुदावली का वाचन किया।

हनुमान जी ज्ञान और भक्ति के अद्भुत स्वरूप

प्रवचन में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि हनुमान जी भगवान श्रीराम के अत्यंत प्रिय भक्त हैं। रामायण में भक्ति के अनेक स्वरूप देखने को मिलते हैं, लेकिन हनुमान जी ज्ञानयुक्त भक्ति के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि हनुमान जी ने भगवान श्रीराम से कहा था कि आत्मबुद्धि से दोनों एक हैं। अर्थात हनुमान जी भगवान के आत्मस्वरूप हैं और इसी कारण वे



विधायक ईश्वर साहू ने लिया आशीर्वाद

इस अवसर पर साजा विधायक ईश्वर साहू ने परम पूज्य शंकराचार्य जी महाराज से आशीर्वाद लिया। गुजरात से आए किशोरी द्रवे शास्त्री एवं विदुषी गार्गी पंडित ने भी अपने भाव व्यक्त किए। कलाकारों द्वारा भजन एवं नृत्य की प्रस्तुतियां दी गईं। चातुर्मास के दौरान शंकराचार्य जी प्रतिदिन पांच बार पूजन करते हैं। पूजन का समय सुबह 4.30, 6.45, 9.45 बजे, शाम 4.45 और 6.45 बजे निर्धारित है। सुबह 8 से 9.30 बजे तक वेदांत पाठ तथा दोपहर 2.30 बजे से सत्संग एवं प्रवचन होता है। कार्यक्रम में दंडी स्वामी उमेश आश्रम महाराज, सुरेन्द्र आश्रम महाराज, वासुदेवाश्रम महाराज, छोटै आश्रम महाराज, शिवाश्रम महाराज, रामाश्रम महाराज, श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती महाराज, स्वामी अप्रमेय शिवसदातकुताचंद निरी महाराज, बहमशारी शारदानंद, शंकर स्वरूप, प्रभु प्रभुलानंद, शंभु प्रेमानंद, ईश्वरानंद, वैष्णवानंद, साधु सर्वशरण, आदि अनंतानंद, बाबा धार्त रायानंद, मुक्तानंद, साध्वी पूर्णाक्ष, साध्वी शंकरदांबा, आनंद उपाध्याय, रत्ना देवी उपाध्याय, रवि शास्त्री, प्रवीण गर्ग, अनुराग शर्मा, सनोज, संतोष मंडल, गौतम जैन, बलराम साहू, अश्वनी साहू, देवपाटी विद्याश्रीगण, पुरुषोत्तम पटेल, धनश्याम आदिवासी, महेंद्र चौहान, राजेश वैष्णव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आरती की और चातुर्मास प्रवास के दौरान आयोजित सत्संग एवं प्रवचन का लाभ लिया।

श्रीराम को सर्वाधिक प्रिय हैं। बुद्धदार्थयक उपनिषद का संदर्भ देते हुए शंकराचार्य जी ने कहा कि आत्मस्वरूप और राममय हैं, इसलिए वे भगवान के सबसे प्रिय भक्त हैं।

बेमेतरा हरिभूमि 11

भाजपा मंडल की बैठक में संगठनात्मक विषयों पर हुई चर्चा



हरिभूमि न्यूज ►► साजा

भाजपा मंडल अध्यक्ष बुलाक साहू ने शक्ति केंद्र बीजा, घोटवानी, ठेलका, बीजगोंड, केहका एवं बेलतरा की मासिक बैठक ली। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत बनाने तथा बृथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में महामंत्री लेखपाल यदु, सूरज सिंह राजपूत, नेतराम साहू, शक्ति केंद्र प्रभारी, बृथ अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक के बाद ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

गाली गलौज करने से मना किया तो किया हमला

भिलाई। गाली गलौज करने से मना करने पर युवक पर हमला करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नेवई पुलिस ने बताया कि देवारपारा स्टेशन मरोदा,नेवई निवासी शशि देवारिन ने शिकायत किया कि चौपाटी से चाय पीकर अपने पिता के घर जा रही थी। तभी संतु तेलासी, पोखलू देवार,दादू देवार मिलकर बहन और मां के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। गाली-गलौज करने से मना करने पर पीड़िता के परिजनों को जान से मारने की धमकी दी और मारपीट भी किया। पीड़िता के निशानदेही पर पुलिस नजरी नक्शा तैयार किया गया। जांच कर पुलिस ने बजरंग पारा स्टेशन मरोदा निवासी आरोपी संतू राम तेलासी धारदार हथियार से पीड़िता को चोट पहुंचाया। पुलिस टीम आरोपियों को पकड़ने के लिए खोजबीन शुरू किया। आरापी संतू राम तेलासी को पकड़ा गया। पृष्ठताछ करने पर हथियार से पीड़िता पर हमला करना स्वीकार किया। वहीं प्रकरण में फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सेवा का भाव बताया

शंकराचार्य ने सेवक और शिष्य के कर्तव्य को समझाते हुए कहा कि उत्तम सेवक वह है जो अपने स्वामी या गुरु के मुख के भाव को देखकर उनकी आवश्यकता बिना बोले समझ ले और सेवा कर दे। जो कहने पर तुरंत सेवा करे, वह मध्यम सेवक है और जिसे बार-बार कहने पर सेवा करनी पड़े, वह अधम सेवक है। उन्होंने श्रीराम और हनुमान जी से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से भक्ति और सेवा का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि एक बार श्रीराम के दरबार में सभी भाइयों ने माता सीता से कहकर अपनी-अपनी सेवाएं बांट लीं, लेकिन हनुमान जी के लिए कोई सेवा नहीं बची। तब हनुमान जी ने भगवान को जम्हाई आने पर चुटकी बजाने की सेवा मांगी। बाद में उन्हें सेवा से दूर जाने पर भी वे भगवान की सेवा के प्रति समर्पित रहे। शंकराचार्य ने वह प्रसंग भी सुनाया, जिसमें माता सीता ने हनुमान जी को मोतियां की माला दी। हनुमान जी प्रत्येक मोती को देखकर उसमें श्रीराम का नाम और स्वरूप खोजने लगे। जब लोगों ने उनके प्रेम पर प्रश्न किया तो उन्होंने अपनी छाती चीरकर भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी के दर्शन करा दिए। भगवान श्रीराम ने उन्हें हृदय से लगा लिया।

हेमांबद में गोवंश मामला ...

रूप से दंडित करने की मांग भी शामिल है। गोसेवकों का कहना है कि पशुओं की मौत जैसे संवेदनशील मामले में केवल जांच तक कार्रवाई सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाए, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। प्रशासन ने तत्काल भेजी संयुक्त जांच टीम: मामले की सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया। प्रशासन के अनुसार जिला स्तरीय संयुक्त जांच दल को ग्राम हेमांबद भेजकर मौके की जांच कराई गई। जांच में पशुओं को अनधिकृत रूप से बंधक बनाकर रखे जाने की शिकायत प्रथमदृष्टया सही पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति दिलीप राय के खिलाफ पशु कूराता अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पशुओं के साथ किसी भी प्रकार की कूराता, अमानवीय व्यवहार अथवा उन्हें अनधिकृत रूप से बंधक बनाकर रखने को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। जांच के दौरान मौके पर मौजूद जीवित पशुओं का तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। इसके बाद 126 पशुओं को वहां से हटाकर जिले की अन्य गौशालाओं में सुरक्षित व्यवस्थापित किया गया है। संबंधित गौशालाओं में पशुओं के उपचार एवं देखभाल की जिम्मेदारी विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम को दी गई है। प्रशासन के मुताबिक पशुओं के पूर्ण स्वस्थ होने तक उनका प्रतिदिन स्वास्थ्य परीक्षण और निगरानी की जाएगी। चिकित्सकीय दल नियमित रूप से पशुओं की स्थिति की रिपोर्ट जिला प्रशासन को देगा। प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया की सतत मॉनिटरिंग करने की बात कही है।गांव की सरحد में मिले मृत पशु, मौत की वजह तलाश रही टीम: मामले की जांच के दौरान गांव की सरحد में कुछ मृत पशु भी पाए गए। इन पशुओं की मौत किन परिस्थितियों और किन कारणों से हुई, यह फिलहाल जांच का विषय है। जिला प्रशासन ने मौत के कारणों की जांच के लिए तीन पशु चिकित्सकों की टीम गठित की है। चिकित्सकीय टीम आवश्यक परीक्षण और जांच के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके बाद ही मृत पशुओं की मौत के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पूछा मामले में भी शासकीय अमले पर कार्रवाई: जिला प्रशासन ने बताया कि जिले में पूर्व में भी घुम्टु/बढोली गायों से संबंधित मामला सामने आया था। जांच के दौरान संबंधित शासकीय अमले की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर जांच समिति ने विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की थी। समिति की अनुशंसा के आधार पर कलेक्टर द्वारा विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद संबंधित विभागों द्वारा सचिवों एवं पटवारीयों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

105 गोवंश बरामद, पिता-पुत्र ...

बाहर सुनसार स्थान पर फेंकने की बात भी जांच में सामने आई। 105 गोवंश गाय, 9 की हालत खराब: पुलिस ने आरोपी के कब्जे वाले स्थान से 105 गोवंश बरामद किए। मौके पर पशु चिकित्सकों से सभी का स्वास्थ्य परीक्षण कराया

गया। इनमें 9 गोवंशों की हालत अत्यधिक खराब पाए जाने पर बेहतर उपचार के लिए अन्य स्थानों पर भेजा गया। शेष गोवंशों को जिले की विभिन्न गौशालाओं में सुरक्षित रखवाया गया है। पिता-पुत्र गिरफ्तार: पुलिस ने मामले में दिलीप राय (55) पिता धर्मदास राय और संजय राय (35) पिता दिलीप राय, दोनों निवासी हेमांबद, थाना दादी को 24 अगस्त को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार विवेचना के दौरान भारतीय व्याज सहित सहित पशु कूराता निवारण अधिनियम और खेतीमगद कृषक पशु परीक्षण अधिनियम की संबंधित धाराएं जोड़ी गई हैं। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया। इनकी रद्दी भूमिका: कार्रवाई में एएसआई रामकुमार दिवाकर, चौकी प्रभारी खडसराम एएसआई कंवल सिंह नेताम, प्रधान आरक्षक पंकज सिंह राजपूत, आरक्षक हेम प्रसाद साहू, संजय चंद्राकर, सुखसागर साहू, रजन श्रीवास, बिरेन्द्र चंद्रवंशी, फिरोज साहू सहित थाना दादी के स्टाफ और गोवंश सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

धारा 144 के चलते ...

नरेंद्र निषाद, रामनारायण डेहरे, अरवली धुव, पोखन गंधर्व, चेतन देवांगन, रामकुमार टंडन, रामकुमार धुव, गंगाराम साहू, संतराम निषाद एवं रघुवीर नेताम सहित अन्य शिक्षक पदाधिकारियों ने शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

जबलपुर से गांजा ...

दो मोबाइल फोन सहित कुल करीब 2 लाख 8 हजार रुपये का सामान जब्त किया गया था। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। पूछताछ और तकनीकी जांच से खुला सफाई नोटवर्क: पुलिस ने बताया कि विवेचना के दौरान आरोपी नितेश पटेल से पूछताछ और तकनीकी संसाधनों की मदद से जानकारी सामने आई कि बरामद गांजा मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के चरगंवा निवासी बल्लु जैन उर्फ बलराम के लिए ओडिशा निवासी रमेश राणा से खरीदकर लाया गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश तेज कर दी। इसी कार्रवाई के तहत पुलिस टीम ने 23 अगस्त को बल्लु जैन उर्फ बलराम पिता स्व. सुभाषचंद्र जैन (55), निवासी चरगंवा, थाना चरगंवा, जिला जबलपुर (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय पाटन, जिला जबलपुर से 25 अगस्त तक टांजित रिमांड पर लिया गया। इसके बाद 24 अगस्त को उसे न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। मामले में एक अन्य फरार आरोपी की पतासाजी और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इनकी रद्दी महत्वपूर्ण भूमिका: कार्रवाई में थाना प्रभारी सिटी कोंतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोमल ग्वाला, सहायक उप निरीक्षक जितेंद्र कश्यप, आरक्षक कमलेश सोनगौरी सहित थाना स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई

लगातार जारी रहेगी। बेमेतरा पुलिस ने अपराधियों को संदेश दिया है कि अवैध गतिविधियों में सलिलत लोगों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।।

पुलिस कार्यालय की ...

में घायल पीड़ितों को पीएम राहत योजना, आई-रेड एवं ई-डार के माध्यम से नाभित अस्पतालों में अधिकतम सात दिनों के भीतर 1.50 लाख रुपये तक की केशलेस उपचार सुविधा दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। गंभीर मामलों में आरोपियों की एमसीयू एंटी जरूरी: एसपी ने प्रत्येक प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों के फिंगरप्रिंट लेने तथा गंभीर मामलों के आरोपियों की एमसीयू में एंटी सुनिश्चित करने कहा। ऑनलाइन प्राप्त शिकायतों का भी निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्यालय में आने वाले आम नागरिकों के साथ शालीन, संवेदनशील और मैत्रीपूर्ण व्यवहार किया जाए। उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरशी यादव, डीएसपी श्रीमती शशी कला उईके सहित पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

निस्तारी तालाब को लीज पर ...

को पानी पिलाने के लिए करते आ रहे हैं। इसके बावजूद इसे मछली पालन के लिए लीज पर देने का इशतेहार जारी कर दिया गया।

मछली पालन से गंदगी बढ़ने की जताई आशंका: ग्रामीण धनश्याम चंद्राकर और मुन्नालाल ने कहा कि तालाब गांव के बीच स्थित है और बड़ी संख्या में ग्रामीण इसका निस्तारी के लिए उपयोग करते हैं। यदि यहाँ मछली पालन शुरू किया गया तो मछलियों के लिए चारा और अन्य सामग्री डालने से पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इससे बढ़बू और वेगनी बढ़ने के साथ ग्रामीणों तथा पशुओं के लिए परेशानी पैदा होने की आशंका है। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया कि गांव से करीब एक किलोमीटर दूर उत्तरी खार स्थित तालाब को निस्तारी के लिए बताया जा रहा है, लेकिन वहां ग्रामीणों का नियमित आना-जाना नहीं है। ऐसे में गांव के बीच स्थित तालाब को ही निस्तारी के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है। समिति को लेकर भी लगाने आरोप: ग्रामीणों ने प्रगति मजदुरा समिति बनरकां की लेकर भी सवाल उठाए हैं। धनश्याम चंद्राकर और मुन्नालाल का आरोप है कि समिति भंग हो चुकी है, इसके बावजूद उसके पदेन अध्यक्ष द्वारा समिति का संचालन किए जाने और उसी समिति द्वारा तालाब की लीज के लिए आवेदन किए जाने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

मिठाइयों में ...

खरीदते समय लेबर, निर्माण तिथि और उपयोग की अंतिम तिथि (एक्सपायरी) सहित आवश्यक जानकारी जांचने की सलाह दी गई है। विभाग ने कारोबारियों से स्वच्छता का ध्यान रखने, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने और किसी भी प्रकार की मिलावट नहीं करने की अपील की है।

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

• मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल •

प्रमुख सुविधाएँ

- गर्भवती महिलाओं को संपूर्ण जांच व परामर्श
- गर्भल एवं सैनेटिजेशन डिलीवरी
- एच व्हाइल का ऑपरेशन व नवबंदी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT

बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, सर्इडोस्कोपी, सरकम सीजन की सुविधा

• आयुष्मान कार्ड और CSEB से केशरालेस उपचार,

• TPA की सुविधा

डॉ. सी.पी.सिंह
(एनसीबीएल, एनजी) रिवर एवं बायपा रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह
(एनसीबीएल, जी.ओ.ओ.) स्त्री एवं पुरुष रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620

एकमात्र नवतर, अमेकल चौर के पास, सुविधाएँ रायपुर गांव : मातृ स्मृति न्यायल नगर, मायसी मॉडर के सामने, सुविधाएँ, रायपुर

भास्कर आईकेयर

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

डॉ. दिलीप लालवानी
लेजर रोग विशेषज्ञ

थेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ

MOORFIELDS EYE HOSPITAL LONDON

आरवि ए आर

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज

EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निर्दकारी सर्लसंग भवन के पास, हिंद स्पोर्दर्न फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.)

07714024989 | 9329124989

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाईड, टिन्वर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

- 1 मूत्र रोग एवं सर्जरी
- 2 किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- 3 प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- 4 यौन संबंधी समस्याएं
- 5 महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

१ सरस्वती दात मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर । १ मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाईड मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप



श्रावण के अंतिम सोमवार
सिंचौरी स्कूल में रोपा बिल्व पौधा

बेमेतरा। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली संवर्धन का संदेश देते हुए शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंचौरी में 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के तहत श्रावण मास के अंतिम सोमवार को बिल्व पौधे का रोपण किया गया। विद्यालय परिवार ने पावन अवसर को यादगार बनाते हुए विद्यार्थियों के साथ पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। संस्था प्रमुख सरस्वती साहू ने बिल्व पौधे का रोपण किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पौधों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पेड़-पौधों से मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करना भी है। विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करने के लिए अपने आसपास पौधरोपण करने और उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख सरस्वती साहू सहित शिक्षक देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, शशिकला यादव, किरण खरे, धनीराम बंबोरे, पूनम साहू एवं विनीता श्रीवास उपस्थित रहे।

बीएसपी के श्रमिकों को मिले पूरा मिनिमम वेज भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में नई श्रम संहिताओं एवं श्रमिक कल्याण पर जागरूकता कार्यक्रम में श्रम और रोजगार मंत्रालय की टीम के समक्ष भिलाई श्रमिक सभा ने ठेका श्रमिकों का पक्ष रखा।

आस्था

सुरही नदी से जल
भरकर किया
भगवान शिव का
जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवकर

सावन के अंतिम सोमवार पर सहसपुर से देवकर के बीच आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सहसपुर के प्राचीन शिव मंदिर से निकली भव्य कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया। बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों में यात्रा को लेकर खासा उत्साह नजर आया। कांवड़ यात्रा सहसपुर से शुरू होकर देवकर नगर पंचायत स्थित श्रीराम मंदिर पहुंची। इसके बाद श्रद्धालु सुरही नदी के तट पर पहुंचे और विधि-विधान से पवित्र जल कलशों में भरा। जल लेकर भक्त ढोल-नगाड़ों, बाजे-गाजे और डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए शिव मंदिर की ओर रवाना हुए।



चौथे वर्ष भी सफल आयोजन

सहसपुर के प्राचीन शिव मंदिर से लगातार चौथे वर्ष कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। अब यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बन चुका है। सावन के समापन पर निकलने वाली यह यात्रा ग्रामीण अंचल में सनातन परंपरा, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दे रही है।

करीब पांच किलोमीटर की पदयात्रा के दौरान पूरा मार्ग बम-बम भोले

और हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजा रहा।

सावन सोमवार पर शिवशक्ति मंदिर में हुआ
भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक



नवागढ़। सावन के पावन सोमवार के अवसर पर नवागढ़ के शिवशक्ति मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से दुग्धाभिषेक किया गया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। भक्तों ने भगवान शिव का जल, दूध और बैलपत्र से अभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। मंदिर के पुजारी कमलेश शर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का पूजन एवं दुग्धाभिषेक कराया। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गुंज उठा। महिलाओं एवं बच्चियों ने अग्न-कोर्तन की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय एवं शिवमय हो गया। पूजा-अर्चना के अवसर पर रामनारायण पाठक, चैन साहू, अर्जुन साहू, मिंटू बिसेन, संपत साहू, विक्रम साहू, गणेश साहू एवं तिलक साहू सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित रहे। पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया।

शिव और शक्ति अलग नहीं, एक ही तत्व के दो रूप : दिनेश उपाध्याय

नवागढ़। राम मंदिर, नवागढ़ में आयोजित शिव महापुराण कथा के दौरान सोमवार को शिव के अर्धनारीश्वर स्वरूप का भावपूर्ण वर्णन किया गया। दुग्धानं धाम से पधारें सुप्रसिद्ध यद्वाचार्य दिनेश उपाध्याय जी महाराज ने प्रवचन में शिव और शक्ति के अभिन्न संबंध को समझाते हुए कहा कि दोनों अलग नहीं, बल्कि एक ही तत्व के दो रूप हैं। कथा का परयाण श्री गोविंद शर्मा द्वारा किया जा रहा है। यद्वाचार्य दिनेश उपाध्याय ने कहा कि जिस प्रकार शब्द और अर्थ तथा जल और उसकी शीतलता एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते, उसी प्रकार भगवान शिव और माता पार्वती भी एक-दूसरे से अभिन्न हैं। अर्धनारीश्वर स्वरूप हमें जीवन में स्त्री और पुरुष के समान सम्मान का संदेश देता है।



सृष्टि विस्तार के लिए प्रकट हुआ शक्ति तत्व: उन्होंने कहा कि जब ब्रह्माजी ने सृष्टि का विस्तार करना चाहा, तब प्रजा की वृद्धि नहीं हो रही थी। इसी समय भगवान शिव ने अर्धनारीश्वर रूप धारण कर सृष्टि में शक्ति तत्व

को प्रकट किया। सृष्टि का संचालन शिव और शक्ति दोनों की कृपा से ही संभव है। जहां नारी का सम्मान, वहीं देवताओं का वास्तव: परिवार में अर्धनारीश्वर की भावना की आवश्यकता बताते हुए यद्वाचार्य ने कहा कि पति-पत्नी दोनों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। आपसी सम्मान और सहयोग से ही परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। जहां

नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का निवास होता है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। शिव नाम के जयकारों से राम मंदिर परिसर गुंज उठा। कथा के पश्चात महाआरती और प्रसाद वितरण किया गया। मंगलवार को होगा कथा का विश्राम: आयोजकों ने बताया कि शिव महापुराण कथा का मंगलवार को विश्राम होगा। कथा श्रवण के लिए लगातार बड़ी संख्या में श्रद्धालु राम मंदिर पहुंच रहे हैं। शिव महापुराण कथा के चलते पूरा नवागढ़ इन दिनों शिवमय नजर आ रहा है। वर्षभर राम मंदिर में होने वाले धार्मिक आयोजनों में उमड़ती श्रद्धालुओं की भीड़ नगर की अटूट धार्मिक आस्था और भक्ति का प्रमाण है।



छावड़ा ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सेवा और भाईचारे का भी प्रतीक है। लगातार नौ वर्षों से आयोजित हो रही यह यात्रा क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले कांवड़ यात्रियों, श्रद्धालुओं, आयोजन समिति, सेवा दल, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। हर-हर महादेव के जयघोष के साथ 9वां वर्ष की कांवड़ यात्रा श्रद्धा और भव्यता के साथ संपन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

नन्हे कांवड़ियों ने बूढ़ा महादेव का किया जलाभिषेक



नवागढ़। सावन के अंतिम सोमवार पर लक्ष्य पब्लिक स्कूल के बच्चों ने आकर्षक कांवड़ लेकर कांवड़ यात्रा निकाली। मां महामाया मंदिर स्थित माना बंद तालाब से जल भरकर बच्चे बस स्टैंड होते हुए करीब दो किलोमीटर पैदल शंकर नगर स्थित बुद्ध महादेव मंदिर पहुंचे। इस दौरान बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से नगर गुंज उठा। बच्चों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। प्राचार्य कोशन कुंभकार एवं संचालक सुरेश महिलांग ने बताया कि बच्चों की इच्छा पर शिक्षकों के सहयोग से पहली बार कांवड़ यात्रा निकाली गई। उन्होंने कहा कि आयोजन के माध्यम से बच्चों को सनातन संस्कृति और भारतीय परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया गया।

उदयपुर में गूंजी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, बेमेतरा के शिक्षक रोमन लाल साहू ने किया जिले का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

राजस्थान के उदयपुर स्थित सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र में 12 से 21 अगस्त तक 'हमारी सांस्कृतिक विविधता' विषय पर दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें देश के 16 राज्यों के 115 शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यशाला में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरदा के शिक्षक रोमन लाल साहू ने बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व किया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपराओं, कला, हस्तशिल्प, लोकगीत, लोकनृत्य, खान-पान, वेशभूषा, स्थापत्य और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना तथा इसे विद्यालयीन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से जोड़ने के लिए प्रशिक्षित करना रहा।

छत्तीसगढ़ की प्रस्तुति
बनी आकर्षण का केंद्र

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के शिक्षकों ने प्रदेश की लोक कला एवं संस्कृति की विशेष प्रस्तुति दी।



लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक कला और लोक परंपराओं की जीवंत प्रस्तुति ने देशभर से आए शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता की सराहना की। छत्तीसगढ़ की प्रस्तुति में रोमन लाल साहू (बेमेतरा), टोमन लाल मालेकर (बालोद), महेन्द्र कुमार पंत (गरियाबंद), खुशबू जैन (कांकेर), मंजू वर्मा (महासमुंद), प्रेमलता सिंह (दुर्ग), संध्या श्रीवास्तव (कोडगांव), नोमेश कुमार साहू (धमतरी) एवं डालिम सिदार

(रायगढ़) ने सहभागिता की।

राजस्थान की संस्कृति को भी करीब से जाना

प्रशिक्षण के दौरान व्याख्यान, समूह चर्चा, व्यावहारिक गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों को विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विशेषताओं को समझने का अवसर मिला। प्रतिभागियों को राजस्थान की कला एवं संस्कृति से परिचित कराने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक व ऐतिहासिक स्थलों, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, लोक कला मंडल

और शिल्पग्राम का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया। विभिन्न राज्यों के शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी लोक संस्कृति और परंपराओं को साझा करने से 'विविधता में एकता' की भावना मजबूत हुई। कार्यशाला में लोक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उपायों पर भी चर्चा हुई।

संस्कृति को शिक्षा से जोड़ने पर जोर

कार्यशाला में इस बात पर जोर दिया गया कि लोक कला एवं संस्कृति केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की स्मृति, परंपरा, पहचान और मूल्यबोध की महत्वपूर्ण धरोहर है। शिक्षक विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की विविध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने कार्यशाला को ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया। आयोजन ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने के साथ 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को भी मजबूती प्रदान की।

छुईहा नाला में लगातार गिर रहे
गौवंश, सुरक्षा व्यवस्था की मांग



नवागढ़। नगर पंचायत नवागढ़ के दर्रापारा स्थित छुईहा नाला में लगातार गौवंश के गिरने की घटनाओं को लेकर व्यापारी महासंघ अध्यक्ष एवं गौसेवक सत्यम ताम्रकार ने सीएमओ टामसन रात्रे को आवेदन सौंपकर सुरक्षा व्यवस्था की मांग की। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 20 से 30 गाय-बैल नाले में गिर चुके हैं। खुले हिस्से के कारण छोटे बछड़ों के भी गिरने का खतरा बना रहता है। 23 अगस्त को भी एक बछड़ा नाले में गिर गया, जिसे नगर

पंचायत कर्मचारियों, मोहल्लेवासियों और गौसेवकों ने काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला। सीएमओ ने बताया कि उक्त कार्य का ठेका हो चुका है और ठेकेदार से जाली लगाने को लेकर चर्चा की गई है। ठेकेदार ने 2-3 दिनों में जाली लगाकर खुले हिस्से का घेराव करने का आश्वासन दिया। इस दौरान आकाश राजक, वासु यादव, समीर यादव, सागर यादव, भोला साहू, दुर्गा प्रसाद पाल सहित गौसेवक मौजूद रहे।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वाशिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को ज्ञानवना उपहार

विषय एवं बर्तः :- यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है । हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं । महालक्ष्मी झू. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा । इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे । योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्म पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) विपकाने होंगे । फोटोकॉपी या कटे-छटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होंगे । राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे । सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को अवसर के नियम व शर्तें मान्य होंगी । हरिभूमि निर्माणक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा । किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा । विजय में द्वाविर्ग उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं । हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही **हरिभूमि** की प्रति बुकिंग करावें

हरिभूमि कार्यालय : पुजारी पार्क के सामने, पचपेढ़ी नाका रोड, टिकरापारा रायपुर
फोन : 0771-4242238, मो. 8224868411, 8319145740